भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3456
दिनांक 21.03.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

एआई एक्शन शिखर सम्मेलन

3456. श्री यूसुफ पठानः

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारत के प्रधानमंत्री ने हाल ही में एआई एक्शन शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए फ्रांस का दौरा किया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) "लोगों और इस ग्रह के लिए समावेशी और सतत कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर वक्तव्य" में रेखांकित किए गए प्रमुख सिद्धांतों का ब्यौरा क्या है; और
(घ) शिखर सम्मेलन के दौरान चर्चा के अनुसार किस प्रकार भारत और फ्रांस डिजिटल विभाजन को दूर करने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकास में सुलभता सुनिश्चित करने की योजना बना रहे हैं?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
[श्री कीर्तवर्धन सिंह]

(क) जी हां।
(ख) से (ग) 10-11 फरवरी, 2025 को पेरिस में आयोजित एआई एक्शन शिखर सम्मेलन में 30 राष्ट्राध्यक्षों/सरकारों, 57 मंत्रियों, 12 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों एवं क्षेत्र के 41 सीईओ और व्यापार जगत के नेताओं ने भाग लिया। "लोगों एवं पृथ्वी के लिए समावेशी एवं सतत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस" शीर्षक से एक वक्तव्य अंगीकार किया गया, जिसके प्रमुख सिद्धांतों में डिजिटल विभाजन को कम करने के लिए सार्वजनिक हित एवं अभिगम्यता और यह सुनिश्चित करना कि एआई प्रणाली नैतिक, समावेशी और विश्वासप्रद हो; विविधता एवं मानव-केंद्रित दृष्टिकोण; तथा नवाचार एवं स्थिरता शामिल हैं। इन संवादों में सुरक्षित, विश्वसनीय और पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी एआई विकास सुनिश्चित करने के लिए नैतिक और समावेशी वैश्विक एआई अभिशासन पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। इस शिखर सम्मेलन के दौरान सार्वजनिक और निजी प्रयासों के बीच अंतराल को कम करने, विखंडन को कम करने तथा पहुंच को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक हित एआई प्लेटफ़ॉर्म और इनक्यूबेटर की शुरुआत की गई है। यह डिजिटल

सार्वजनिक वस्तुओं, क्षमता निर्माण, आंकड़ा साझाकरण, पारदर्शिता और सहयोगी मॉडल विकास का समर्थन करने पर केंद्रित है।

(घ) भारत और फ्रांस ने डिजिटल विभाजन को कम करने और एआई विकास में सुलभता सुनिश्चित करने के लिए एक सहयोगी दृष्टिकोण की रूपरेखा तैयार की है, जिसमें मानव-केंद्रित दृष्टिकोण का समर्थन करते हुए एआई प्रणालियों में विश्वास और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए ओपन सोर्स एआई फ्रेमवर्क शामिल हैं। भारत और फ्रांस ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संबंधी द्विपक्षीय घोषणा पत्र को पृथक रूप से अंगीकार किया, जो लोकतांत्रिक मूल्यों और जन कल्याण के अनुरूप सुरक्षित, संरक्षित और विश्वासप्रद एआई प्रणाली विकसित करने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस घोषणा में क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और एआई-संचालित असमानताओं या गलत सूचनाओं को रोकने के माध्यम से डिजिटल विभाजन को कम करने के प्रयासों पर प्रकाश डाला गया है।

*****